एककों का शीघ्र पता लगाने एवं उनकी पुनः स्थापना को सुनिश्चित करना है।

2. प्रशिक्षण संस्थानों को सुदृढ़ बनाकर उद्यमिता विकास कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाना, असम में गुवाहाटी में भारतीय उद्यमिता संस्थान की स्थापना करना, उद्यमिता विकास संस्थानों को बुनियादी सुविधाओं के लिए सहायता देना, वैयक्तिक प्रबन्धकों को प्रशिक्षण संबंधी सहायता देना और प्रधान मंत्री रोजगार योजना के अधीन माइक्रो-उद्यमों को स्थापित करने के लिए 7 लाख लाभग्राहियों को प्रशिक्षण देना।

3. नये आँकार कला, प्रक्रिया और उत्पाद विकास केन्द्र स्थापित करके प्रौद्योगिकी सहायता कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाना, केन्द्रीय फास्टनर प्रशिक्षण केन्द्रों का आधुनिकीकरण करना, भारतीय स्टेट बैंक और भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के साथ संयुक्त रूप से क्लस्टर आधार पर उद्योगों का आधुनिकीकरण करना, आई. एस. ओ. 9000 अथवा ऐसे ही अन्तर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक प्राप्त करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन देना।

4. ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में एकीकृत बुनियादी सविधा विकास योजना शुरू करके बुनियादी सहायता देना।

रुग्ण उद्योगों में वृद्धि

2636. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले कुछ वर्षों से रुग्ण उद्योगों में 27.5 प्रतिशत निरंतर वृद्धि होती रही है;

(ख) यदि नहीं, तो 1991-92, 1992-93 तथा 1993-94 के दौरान रुग्ण उद्योगों में वृद्धि की दर क्या-क्या रही है;

(ग) क्या सरकार ने उद्योगों की रुग्णता की दर में वृद्धि के कारणों का पता लगाने के लिए कोई प्रयास किये हैं;

(घ) यदि हां, तो किस-किस कारण से कितने-कितने प्रतिशत उद्योगों के रुग्ण होने का अनुमान है; और

(ङ) पिछले तीन वर्षों के दौरान कितने रुग्ण उद्योगों का पुनरुद्धार किया गया है?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम. अरुणाचलम) : (क) जी, नहीं।

(ख) भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त सूचना के अनुसार ग्रामीण उद्योगों सहित रुग्ण लघु उद्योगों एककों की संख्या निम्नलिखित है :—

निम्नलिखित के अंत में	रुग्ण एककों की संख्या	वृद्धि/कमी का प्रतिशत
1. मार्च, 1991	2,21,472	—
2. मार्च, 1992	2,45,575	10.88 प्रतिशत की वृद्धि
3. मार्च, 1993	2,38,176	3.01 प्रतिशत की कमी
4. मार्च, 1994	2,56,452	7.67 प्रतिशत की वृद्धि

जैसा कि उपर्युक्त से देखा जा सकता है, रुग्ण लघु उद्योग एककों में (संख्या की दृष्टि से) मार्च 1991 से मार्च 1992 के बीच 10.88% की वृद्धि हुई किन्तु मार्च 1992 से मार्च 1993 के बीच 3.01% की कमी हुई जबकि मार्च 1993 से मार्च 1994 के बीच 7.67% की वृद्धि हुई है।

(ग) संस्थानात्मक ऋणों की पर्याप्तता और लघु उद्योग क्षेत्र से संबद्ध विषयों की जांच करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नियुक्त नायक समिति की रिपोर्ट के अनुसार, लघु उद्योगों में रुग्णता मुख्यतया इसकी विभिन्न आन्तरिक कमजोरियों के कारण होती है, जैसे

कि सीमित वित्तीय संसाधनों और संगठनात्मक, वित्तीय तथा प्रबंधकीय कौशल एवं विशेषज्ञता की कमी । रुग्णता के बाह्य कारण बहुत से हैं, इनमें से अधिक महत्वपूर्ण ये हैं— (1) बिजली सहित कच्चे माल और अन्य निविष्टियों की उपलब्धता में कठिनाईयां, (2) विपणन की कठिनाइयां, (3) विलम्बित तथा अपर्याप्त ऋण, (4) करों की ऊंची दरें, (5) श्रम समस्याएं, (6) परियोजनाओं का दोषपूर्ण मूल्यांकन और (7) प्रबंधक जो कि सक्षम हैं/कम ईमानदार हैं/साझेदारों में मतभेद आदि के कारण समस्याग्रस्त हैं ।

(घ) इस प्रकार का कोई अध्ययन नहीं किया गया है ।

(ङ) भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त सूचना के अनुसार पिछले तीन वर्षों के दौरान मार्च के अंत तक परिचर्चा कार्यक्रमों के अधीन लाए गये रुग्ण उद्योगों की संख्या निम्नलिखित है :—

निम्नलिखित के अंत में स्थिति	संभाव्य रूप से व्यवहार्य रुग्ण एकक	जीवन्य एककों में से परिवर्धोधन एकक
	(एककों की संख्या)	(एककों की संख्या)
मार्च, 1992	19210	13289
मार्च, 1993	21649	12218
मार्च, 1994	16580	11376

Handing-over of PSUs to Private Patties

2637. SHRI VIRENDRA KATARL-the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether Government have decided to re. vive/wind up or handover to private parties some sick public sector u.iits;

(b) if so, whether any fina[1]
taken in this regard; and

(c) the number and names of units likely to be affected?

THE. MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY KRISHNA SAHI) : (a) to (c) O sick Industrial Central PSEs registered so fai 96 M/P(11)21 ORSS— with them, BIFR have recommended fo' revival of Indian Drugs & Pharmaceuticals Ltd.,andfliecco LawrieLtd, whereas Nationa Bicycle corpn. Ltd., British Indian Corpn Ltd. and Elgin Mills Co. Ltd. have been re.' commended for their closure to concerned High Court. As regards handing over sick public sector units to private sector, no such decision has been taken.

Registration of Service Marks in India

2638. SHRI DINESHBHAI TRIVEDI : the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) \ r it is a fact that at present "Service Marks" are not registerable in India! and

(b) if so, by when the "Service Marks" will be registrable in India?

FHE MINISTER OF STATE IN THH lNDJSi'RY (SMT. SHAN A SAHI): (ft) res, Sir.

(.b) I he trade Marks faili 1993 introduced in Lok Sabna on tj .pril, 1993, inciude$_s$ th€ proposal for registration of "Service

Setting up of heavy industries in Andhra Pradesh

>9. SHRI T. VENKATRAM REDDY : v/iii the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether the State Government of Andhra rtadesh have submitted any new proposal fo$_r$ setting up of heavy industries in the State ;

(b) if so, the details thereof and the late position of the said proposal; and

(c) the places where these industries are to be set up together with details of the expendi. lure involved therein.'

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SMT-KRISHNA SAHI) : (a) to (c) The following two proposals were received from the Public Sector Undertakings belonging to Andhra Pradesh State Government for grant of Letter[s] of Intent under the provisions of Industrie[8] '- Development & Regulations) Act, **1951,** during 1994 (upto November, 1994). Th« \ details are as follows :